



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 530 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 31, 2003/कार्तिक 9, 1925

No. 530]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 31, 2003/KARTIKA 9, 1925

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

( उपभोक्ता मामले विभाग )

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 2003

सा.का.नि. 857(अ).—भारत सरकार के, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (उपभोक्ता मामले विभाग) की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 760(अ), तारीख 24 सितंबर, 2003 में, जो भारत के राजपत्र, असाधारण भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तारीख 24 सितंबर, 2003 को प्रकाशित हुई है, पृष्ठ 2 पर पंक्ति 16 में, “परन्तुक” शब्द के स्थान पर “पहले परन्तुक” शब्द पढ़ें।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-10(5)/2002]

सतवंत रेड्डी, अपर सचिव

टिप्पण : मूल नियम भारत के राजपत्र में सं. 622(अ) तारीख 26 सितंबर, 1977 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संशोधन सा.का.नि. 760(अ) तारीख 24 सितंबर, 2003 के तहत किए गए थे।

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 31st October, 2003

G.S.R. 857(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution (Department of Consumer Affairs) number G.S.R. 760(E), dated the 24th September, 2003 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 24th September, 2003, at page 4, in line 10, for “proviso”, read “first proviso”.

[F. No. WM-10(5)/2002]

SATWANT REDDY, Addl. Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India vide notification number 622(E) dated 26th September, 1977 and last amended vide G.S.R. 760(E) dated 24th September, 2003.